आकाशवाणी श्री विजयपुरम

दिनांक : 01.09.2026 समय : 0705

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शंघाई सहयोग संगठन के सदस्य देशों से आतंकवाद के खिलाफ एकजुट होकर कार्रवाई करने और दोहरे मापदंड से बचने की अपील की।
- सिंधु जल संधि पर मध्यस्थता न्यायालय के फैसले को भारत ने ठुकराया।
- डॉ. बी. आर. अंबेडकर प्रौद्योगिकी संस्थान में राष्ट्र निर्माण और जिम्मेदार नागरिकता पर जागरूकता सत्र आयोजित किया।
- जे एन आर एम में मुंशी प्रेमचंद जयंती पर भारतीय साहित्य में उनके महत्वपूर्ण योगदान को याद किया गया।

<><><><><><><>

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक में शंघाई सहयोग संगठन के 26वें शिखर सम्मेलन को संबोधित किया। इस अवसर पर उन्होंने सभी सदस्य देशों से आतंकवाद के वित्तपोषण, भर्ती, कट्टरपंथ और सुरक्षित पनाहगाहों के पूरे तंत्र को ध्वस्त करने का आह्वान किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि आतंकवाद के मुद्दे पर दोहरे मापदंड के लिए कोई स्थान नहीं हो सकता। श्री मोदी ने पश्चिम एशिया सहित दुनिया के विभिन्न हिस्सों में जारी संघर्षों पर भी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि युद्ध और संघर्ष किसी समस्या का समाधान नहीं हैं और सभी विवादों का समाधान संवाद तथा कूटनीति के माध्यम से किया जाना चाहिए। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत उन सभी प्रयासों का समर्थन करता है, जो बाजारों को आपस में जोड़ते हैं, व्यापार को सुगम बनाते हैं और विकास के नए रास्ते खोलते हैं। हालांकि, इन प्रयासों में सभी देशों की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान करना अत्यंत आवश्यक है। श्री मोदी ने सम्मेलन में कहा कि पिछले वर्ष भारत ने शंघाई सहयोग संगठन सभ्यता संवाद मंच का प्रस्ताव रखा था। उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त की कि इस मंच का पहला सत्र इस वर्ष भारत में आयोजित किया जाएगा।

<><><><><><><><>

भारत ने विश्व बैंक द्वारा सिंधु जल संधि पर गठित मध्यस्थता न्यायालय के फैसले को पूरी तरह खारिज कर दिया है। भारत ने न्यायाधिकरण के अधिकार को नकारते हुए उसके फैसले को कानूनी रूप से अमान्य बताया है। विदेश मंत्रालय ने कहा है कि भारत ने मध्यस्थता पैनल को कभी मान्यता नहीं दी, न ही उसकी कार्यवाही में भाग लिया और न ही उसके फैसले को मानने के लिए बाध्य है। भारत ने यह भी दोहराया है कि सिंधु जल संधि अभी भी स्थगित है। यह बयान हेग स्थित मध्यस्थता न्यायालय के उस फैसले के बाद आया है, जिसमें कहा गया था कि संधि को स्थगित करने के भारत के कारण इसके निलंबन या समाप्ति को उचित नहीं ठहराते।

<><><><><><><><>

पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन के क्षेत्र में द्विपक्षीय सहयोग को मजबूत करने के लिए चौथा भारत–जर्मनी पर्यावरण मंच आज नई दिल्ली में आयोजित किया जाएगा। केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव और जर्मनी के पर्यावरण, प्रकृति संरक्षण, जलवायु संरक्षण और परमाणु सुरक्षा मंत्री कार्सटेन श्नाइडर इस मंच की सह–अध्यक्षता करेंगे। दोनों देशों के प्रतिनिधि पर्यावरण संरक्षण और जलवायु नीति से जुड़े प्रमुख मुद्दों पर चर्चा करेंगे तथा आपसी सहयोग को और मजबूत करने, अनुभव साझा करने और व्यावहारिक सहयोग को आगे बढ़ाने के उपायों पर विचार करेंगे। यह मंच नीति निर्माताओं, निजी क्षेत्र के प्रतिनिधियों, विचारकों और अन्य प्रमुख हितधारकों के बीच पर्यावरण और जलवायु सहयोग को लेकर विचारों के आदान–प्रदान का अवसर प्रदान करेगा।

<><><><><><><><>

दूरदर्शन केंद्र, श्री विजय पुरम द्वारा कल शाम साढ़े पाँच बजे से 6 बजे तक 'पेट टॉक– बियॉन्ड द बॉन्ड' फोन–इन कार्यक्रम का सीधा प्रसारण किया जाएगा। कार्यक्रम का विषय है–'सफल पशुपालन के माध्यम से रोजगार सृजन'। कार्यक्रम में पोर्ट मोट और एलीफेंट प्वाइंट स्थित पशु चिकित्सालय की प्रभारी वरिष्ठ पशु चिकित्सा अधिकारी, डॉ. संजली सोरेन विशेषज्ञ के रूप में

उपस्थित रहेंगी और दर्शकों के सवालों का जवाब देंगी। दर्शक 244–745 या 245–662 नंबर पर फोन कर, अपने प्रश्न पूछ सकते है।

<><><><><><><>

डॉ. बी. आर. अंबेडकर प्रौद्योगिकी संस्थान में अंडमान–निकोबार कमान के मुख्यालय की सेना इकाई के लेफ्टिनेंट कर्नल नित्तेन मेहता और लेफ्टिनेंट कर्नल राहुल राज ने राष्ट्र निर्माण और जिम्मेदार नागरिकता विषय पर जागरूकता सत्र आयोजित किया। इस सत्र में इंजीनियरिंग और डिप्लोमा के प्रथम वर्ष के लगभग ढाई सौ विद्यार्थियों ने भाग लिया। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों में अनुशासन, साहस, दृढ़ता, प्रेरणा, जिम्मेदारी और देश के प्रति समर्पण की भावना विकसित करना था। अपने संबोधन में अधिकारियों ने कहा कि राष्ट्र निर्माण किसी विशेष पेशे तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने अपने आसपास की चुनौतियों को पहचानने और नवाचार, रचनात्मकता तथा जिम्मेदार कार्यों के माध्यम से समाज और देश के विकास में योगदान देने के महत्व पर प्रकाश डाला। सत्र के दौरान मौलिक अधिकारों और मौलिक कर्तव्यों पर भी चर्चा की गई।

<><><><><><><>

जवाहरलाल नेहरू राजकीय महाविद्यालय के हिंदी विभाग ने हाल ही में महाविद्यालय में मुंशी प्रेमचंद जयंती मनाई। कार्यक्रम में मुंशी प्रेमचंद की साहित्यिक कृतियों और उनमें दर्शाई गई सामाजिक वास्तविकताओं की स्थायी प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला गया। महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. पर्ल देवदास ने भारतीय साहित्य में प्रेमचंद के महत्वपूर्ण योगदान को रेखांकित किया। हिंदी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. रमेश कुमार ने साहित्य के माध्यम से सामाजिक मुद्दों को उठाने और उनका चित्रण करने की लेखक की विशेषता के बारे में बताया। कार्यक्रम के दौरान सहायक प्राध्यापक डॉ. एन. लक्ष्मी द्वारा लिखित पुस्तक 'काव्य भाषा' का विमोचन भी किया गया। कार्यक्रम का समन्वय सहायक प्राध्यापक डॉ. दीक्षा गुप्ता ने किया।

<><><><><><><>

डॉ. भीमराव अम्बेडकर प्रौद्योगिकी संस्थान, श्री विजयपुरम और राजकीय पॉलिटेक्निक, डिगलीपुर में डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए साझा महाविद्यालय प्रवेश पोर्टल कल से 4 सितंबर तक खुला रहेगा। पात्र उम्मीदवारों के लिए परामर्श प्रक्रिया 7 सितंबर को आयोजित की जाएगी। डीब्रेट में परामर्श ग्रीन बिल्डिंग परिसर में और राजकीय पॉलिटेक्निक, डिगलीपुर में सीतानगर परिसर में होगा। उम्मीदवारों का पंजीकरण सुबह 9 से 10 बजे तक और परामर्श सुबह 10 बजे से शुरू होगा। उम्मीदवारों को मूल दस्तावेजों के साथ उनकी छायाप्रतियां लानी होंगी। पहले आवेदन कर चुके उम्मीदवारों को दोबारा आवेदन करने की आवश्यकता नहीं है। प्रवेश के लिए केवल साझा महाविद्यालय प्रवेश पोर्टल के माध्यम से आवेदन स्वीकार किए जाएंगे।

<><><><><><><>

पर्यावरण एवं वन विभाग में वन रेंजर के पद पर नियुक्ति के लिए चयनित उम्मीदवारों के दस्तावेजों का सत्यापन 7 सितंबर को किया जाएगा। संबंधित उम्मीदवारों से कहा गया है कि वे सुबह 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक वन सदन स्थित प्रधान मुख्य वन संरक्षक कार्यालय की समिति के समक्ष अपने मूल प्रमाण पत्रों के साथ उपस्थित हों।

<><><><><><><>

महात्मा गांधी राजकीय महाविद्यालय, मायाबंदर में इतिहास, कंप्यूटर विज्ञान और खाद्य विज्ञान विषयों में संसाधन व्यक्ति की नियुक्ति के लिए 4 सितंबर को होने वाले साक्षात्कार की तिथि में परिवर्तन किया गया है। अब ये साक्षात्कार 5 सितंबर को सुबह 10 बजे महाविद्यालय के प्राचार्य के कार्यालय में आयोजित किए जाएंगे। संबंधित उम्मीदवारों से अनुरोध है कि वे परिवर्तित तिथि के अनुसार साक्षात्कार में उपस्थित हों।

<><><><><><><>